मोड्यूल 2 : समुदाय में कार्य करना तथा गर्भावस्था में घर-घर जाना

सत्र 9 : घरों का दौरा करना तथा गर्भावस्था फॉर्म - भाग 2 का प्रयोग करना

दिवस : 2 तथा 3
समयावधि : 2 घंटा 25 मि.

प्रयोजन

आशा को गर्भावस्था के दौरान आने वाली समस्याओं की जानकारी देना ताकि वह गर्भावस्था में घर के दौरे में महिला से जानकारी हासिल कर गर्भावस्था फॉर्म भाग 2 को भर सके।

उद्देश्य

सत्र के समापन पर आशा में निम्न योग्यता आएँगी :

1) बता पाना कि गर्भवती महिलाओं के घर कब–कब जाना है।
2) विषय–वस्तु में दी गई संज्ञाओं का सही अर्थ बता पाना।
3) गर्भावस्था फॉर्म के भाग 2 को भरना (आठवे तथा नौंवे महीने की शुरूआत में)।

सामग्री

- अभ्यासपत्र 1 : गर्भावस्था फॉर्म – भाग 2
- अध्ययनपत्र 1 : हथेली तथा चेहरे में सूजन
- अभ्यासपत्र 2 : केस प्रस्तुति
- आदर्श भूमिका नाटक : गर्भवती महिलाओं को 8 वें और 9 वें महीने की शुरूआत में मिलना। (प्रशिक्षक इसे तैयार करें)

तैयारी

- प्रशिक्षणार्थियों की संख्या के अनुसार अभ्यासपत्र 1, 2 और अध्ययनपत्र 1 की प्रतियाँ तैयार रखें।

प्रशिक्षण विधि :

<u>प्रदर्शन तथा चर्चा</u> (1 घंटा)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. अभ्यासपत्र 1 : गर्भावस्था फॉर्म भाग 2 सभी प्रशिक्षणार्थियों में बाँटे।
2. समझाएँ कि 8 महीने और 9 महीने की शुरूआत के दौरों में गर्भवती महिलाओं से प्राप्त जानकारी लिखने के लिये फॉर्म में खाने कैसे बाँटे गए है।
3. निम्न समझाएँ:
   - बताएँ कि 8 और 9 महीने की शुरूआत में गर्भवती महिलाओं से एक जैसे प्रश्न पूछे जायेंगे।
   - यदि कोई गर्भवती महिला 8 वें अथवा 9 वें महीने में गाँव में आए, तो उसके घर भी जाँच के लिये जाएँ और गर्भावस्था फॉर्म पूरा भरें।
   - यदि कोई गर्भवती महिला 8 वे महीने में गाँव में आती हैं तो उससे 8 वे महीने में ही मिलें और

आठवें महीने का हिस्सा पूरा करें। दोबारा 9 वें महीने में मिलकर 9 वें महीने का हिस्सा पूरा करें। इस फॉर्म का भाग 2 दो बार भरा जायेगा।

- यदि कोई महिला 9 वें महीने में गाँव में आती हैं तो पहली ही भेंट में 8 वे और 9 वें महीने का हिस्सा पूरा करें।
- यदि किसी महिला को गाँव से बाहर बच्चा पैदा हुआ है और वह 28 दिन में वापस आ जाती है, तो उसके घर भी जाएँ और गर्भावस्था फॉर्म भरें। फॉर्म के भाग 2 के लिए 8 वे और 9 वें महीने में वहाँ दी गई स्थितियों में यदि उसे कोई परेशानी थी तो पूछकर फॉर्म पूरा करें।

4. कठिन शब्दों का अर्थ समझाएँ (विषय–वस्तु बाक्स देखें)

विषय–वस्तु :

- **चेहरा और हथेली में सूजन :** चेहरा सामान्य से अधिक सूजा हो, सामान्य से बड़ा हो, हथेलियाँ सूजी हों और हथेलियों के पीछे उंगली से दबाने पर थोड़ी देर तक गड्ढा बना रहे।

- **सिरदर्द और धुंधला दिखना :** गर्भवती को लंबे समय तक तेज सिरदर्द और ध ुंधला दिखना (साफ दिखाई न देना)।
- **दौरे आना :** गर्भवती को दौरे आना।
- **खून जाना :** गर्भावस्था में योनि से खून जाना या दाग लगना।
- **गर्भ का गर्भाशय में हिलना :** गर्भ का गर्भाशय में सामान्य रूप से हिलना या न हिलना – इस बात का माँ को एहसास।

5. प्रत्येक शब्द के बारे में चर्चा करें; आशा से पूछें कि उन्हें इनकी जानकारी या अनुभव हैं या नहीं।
6. सभी प्रशिक्षणार्थियों से कहें कि वे अध्ययनपत्र 1 के चित्र में महिलाओं के सूजे हुए चेहरे तथा हथेलियों को देखें।
7. अभी जिन स्थितियों की चर्चा हुई है, वे सब गर्भावस्था में पाये जाने वाले खतरनाक लक्षण हैं। आशाओं को इन लक्षणों की पहचान करना सीखना है। यदि इनमें से कोई लक्षण गर्भावस्था के दौरान माँ में पाये जाते है, तो उसे तुरंत अस्पताल जाना चाहिये। ऐसे लक्षणों को नज़रअंदाज करने पर, या सही समय पर ध्यान न देने पर जान को खतरा हो सकता है। इसी प्रशिक्षण कार्यशाला में आशा स्वास्थ्य शिक्षा देना सीखेंगी जिसमें आशा को बताया जाएगा कि वह माँ को खतरनाक लक्षणों के बारे में क्या सलाह देगी। यदि कोई खतरनाक लक्षण माँ में पाये जाते है तो उसे तुरंत अस्पताल जाने की सलाह देनी चाहिये और सलाह दी, या नहीं दी, यह फॉर्म में भी लिखना चाहिये।
8. यदि किसी के कोई प्रश्न हों तो उनका समाधान करें।
9. गर्भावस्था के दौरान माँ को अन्य कई स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती है जिनसे उसकी जान को खतरा तो नहीं परन्तु परेशानी होती है। ऐसी स्वास्थ्य समस्याएँ समयसे ठीक ना हुई तो खतरा हो सकता है। ऐसी कुछ समस्याएँ नीचे विषय–वस्तु बाक्स में दी गई है।

विषय–वस्तु

- **सफेद पानी जाना:** योनि से (जो गाढ़ा, बदबूदार, और जिससे खुजली हो सकती है)।
- **पेशाब में जलन:** पेशाब करते समय दर्द या जलन होना।
- **रतौंधी:** दिन ढलते समय या रात में कम दिखाई देना या नहीं दिखाई देना।
- **बुखार:** गर्भावस्था के दौरान बुखार
- **चर्म रोग और खुजली:** उँगलियों के बीच या कलाई पर फफोले जिन में जलन हो–खास तौर से रात में।
- **घांव, फफोले, मवाद वाले फोड़े:** शरीर पर (त्वचा पर)

यदि विषय–वस्तु बाक्स में दी गई कोई भी परेशानी हो तो चिकित्सा ज़रूरी है। कुछ परेशानियों की चिकित्सा आशा अगले सत्रों में सीखेगी। अन्य परेशानियों के लिए आशा माँ को अस्पताल भेजेगी। अगले सत्रों में आशा इस बारे में विस्तृत पढ़ेगी।यदि माँ में ऐसी कोई समस्या पायी जाती है, तो फॉर्म में 'अन्य समस्या' की जगह पर लिखें, तथा यह भी लिखें कि उसके समाधान लिए आशा ने क्या किया।

10. आशा से पूछें कि वह प्रसव के अपेक्षित तारीख के पहले 2 महीने और एक महीने की गणना कैसे तय करेगी। यदि प्रसव की अपेक्षित तारीख 7 दिसंबर है तो उसके पहले 1 महीना, यानि 7 नवंबर होगा और उसके पहले 2 महीने, यानि 7 अक्टूबर होगा। कुछ अन्य तारीखें देकर अभ्यास करायें। सभी आशाओं को यह गणना करना आना ज़रूरी है।

प्रदर्शन

गर्भावस्था फॉर्म, भाग 2 को भरना (30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

- अभ्यासपत्र 2 से केस का प्रत्येक वाक्य पढ़ते हुए फॉर्म भरें।
- प्रशिक्षणार्थी अपने अपने फॉर्म भरें।
- किसी के प्रश्न हों तो उनका समाधान करें।

भूमिका नाटक के आधार पर गर्भावस्था फॉर्म, भाग 2 भरने का अभ्यास (50 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव :

1. प्रशिक्षणार्थियों के दो समूह बनाएँ। हर समूह के साथ एक प्रशिक्षक हो।
2. हर समूह में प्रशिक्षणार्थियों की जोड़ियाँ बनायें। हरेक जोड़ी अपने समूह के सदस्यों के सामने एक भूमिका नाटक प्रस्तुत करें। जोड़ी में से एक प्रशिक्षणार्थी आठ महीने की गर्भवती महिलाकी भूमिका अदा करें, तथा दूसरी प्रशिक्षणार्थी आशा, जो आठवे महीने में गर्भवती महिला को मिलकर गर्भावस्था फॉर्म का भाग 2 भर रही है, की भूमिका प्रस्तुत करे।
3. प्रशिक्षक तथा प्रशिक्षणार्थी भूमिका नाटक का निरीक्षण करें। भूमिका नाटक में जब आशा गर्भावस्था फॉर्म भाग 2 भर रही हो तभी सारे प्रशिक्षणार्थी भूमिका नाटक के आधार पर अपना अपना फॉर्म भरें। भूमिका नाटक के बाद फॉर्म का अवलोकन करें। आशा की भूमिका निभाने वाली प्रशिक्षणार्थी, फॉर्म के हर एक मुद्दे को पढ़ें। कुछ गलतियाँ हों तो प्रशिक्षक तथा बाकी प्रशिक्षणार्थी सुधारें।

4. इसी प्रकार हर जोड़ी में प्रत्येक आशा को फॉर्म भरने का मौका मिलते तक भूमिका नाटक प्रस्तुत करे।
5. हर भूमिका नाटक के बाद फॉर्म देखें और कुछ गलतियाँ हो तो सुधारें।

सारांश (5 मि.)

- प्रशिक्षणार्थियों से नये शब्दों की व्याख्या पूछें।
- किसी प्रशिक्षणार्थी से गर्भावस्था फॉर्म के विभिन्न प्रश्न समझाने को कहें।
- गलतियाँ हो तो सुधारें, और कुछ छूट गया हो तो जोड़ दें।
- आशाओं की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
बता पाना कि गर्भवती महिलाओं के घर कब–कब जाना है।	प्रश्नोत्तर	–
विषय–वस्तु में दी गई संज्ञाओं का सही अर्थ बता पाना।	प्रशिक्षणार्थी सही व्याख्या बताएँ	–
गर्भावस्था फॉर्म के भाग 2 को सही भरना।	गर्भावस्था फॉर्म के भाग 2 की समीक्षा	सभी आशाओं व्दारा भरा हुआ गर्भावस्था फॉर्म भाग 2